मंच संचालन एंकरिंग स्क्रिप्ट और शायरी

Manch sanchalan scripf pdf

educationmemory.com

Annual function : Best anchoring script & shayari
by

मनोहर सिंह शेखावत (मानगढ अजीतगढ़ श्रीमाधोपुर सीकर)

best shayari collection school college annual function
नमस्कार मित्रों। इस पोस्ट में हम लेकर आए हैं स्कूल कॉलेज में मनाए जाने वाले वार्षिक उत्सव पर मंच संचालन, वार्षिक उत्सव (annual function)कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने और महफिल में छा जाने वाली दिलकश अंदाज भरी ताजा तरीन और मौलिक शेर शायरियों का संकलन।

वार्षिक उत्सव : **Annual function** कैसे मनाएं : मंच संचालन और वार्षिक उत्सव की तैयारी

प्राय अधिकतर विद्यालय या कॉलेजों में वार्षिक उत्सव या समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाती है। प्रभावी कार्यक्रम दर्शकों का मन मोह लेते हैं और आजकल तो सोशल मीडिया पर भी कार्यक्रम की झलकियां खूब शेयर की जाने लगी है

ऐसे में एक प्रभावी मंच संचालन कार्य बहुत आवश्यक होता है. एंकर जहां अपनी दमदार एंकरिंग से कार्यक्रम में गतिशीलता और तारतम्यता बनाए रखता है वहीं बीच-बीच में प्रस्तुत कार्यक्रमों पर अपनी टिप्पणी देता है या कोई शेर पढ़ता है तो दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो जाते हैं तो आइए चर्चा करते हैं प्रभावी मंच संचालन के लिए Best shayari collection for annual function.

Annual Function Report in Hindi वार्षिकोत्सव का प्रतिवेदन कैसे तैयार करें पढ़े यहां पर हिंदी में।

कार्यक्रम की रूपरेखा

मंच संचालन तैयारी एवं रूपरेखा
मंच संचालन से पूर्व हमें संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा पहले से ही तैयार कर लेनी चाहिए। किस समय पर कौन सा कार्यक्रम प्रस्तुत करना है, कब किसको मंच पर बुलाना है यह सब तैयारियां 1 दिन पूर्व ही कर लेनी चाहिए।

अतिथियों का स्वागत एवं मुख्य अतिथि का चयन
हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारे विद्यालय.......... में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है. पधारे हुए सभी अतिथियों का हम विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत करते हैं. अतिथि देवो भव. आप हमारे लिए

पूज्य हैं अपने व्यस्त कार्यक्रम में से आपने हमारे विद्यालय के लिए समय निकाला और यहां पर उपस्थित हुए जिससे हमारे विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलेगा। आप सभी का हार्दिक अभिनंदन है

आप हैं हमारे दिल के करीब

आप पर कुर्बान चांद सितारे

हार्दिक अभिनंदन है आपका

हृदय से स्वागत है आपका

जो आप यहां पधारे।

सरस्वती वंदना
किसी भी कार्यक्रम की सफलता के लिए माता सरस्वती की वंदना की जाती है अतः मैं पधारे हुए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि से निवेदन करूंगा कि वह माता सरस्वती की वंदना एवं गणेश वंदना करें जिससे कार्यक्रम का प्रारंभ किया जा सके

हे शारदे मां*!*

आपका वंदन करते हैं

श्री पुष्पों की माला चरणों में

आपको अर्पण करते हैं।

विद्या की देवी मां सरस्वती सभी का कल्याण करें सभी को कुशाग्र बुद्धि प्रदान करें

ईश वंदना से आपके अभिनंदन से

उत्सव का आगाज करते हैं

माता सरस्वती की वंदना से

कार्यक्रम की शुरुआत करते हैं।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि स्वागत कार्यक्रम
अब हम अपने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का माला पहनाकर एवं तिलक लगाकर स्वागत करते हैं. मैं संस्था प्रधान से आग्रह करता हूं कि वे मंच पर उपस्थित अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत करें

अतिथियों के सम्मान में दो शब्द :

आज हमारे विद्यालय के इस annual function में आप सभी का पुनः हार्दिक स्वागत है

जलते हैं सितारे आसमान में

वह जला करें

हमारे सितारे हैं जमीन पर

यूं ही हमसे मिला करें।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत
अब कार्यक्रम के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करें तालियों और Motivation dialogue के द्वारा प्रस्तुति देने वाले छात्रों का उत्साहवर्धन करते रहे।

यह बच्चे नन्हे मुन्ने प्यारे

स्कूल परिवार के सितारे

बुलंदियां छू ले आसमान की

ऐसे इरादे हैं हमारे।

*****

पाई मंजिल मेहनत के दम पर

किसी बहाने से नहीं

यह जमाना हमसे है

जमाने से हम नहीं।

*****

मंजिल के रास्ते में चाहे जितने हो सख्त पत्थर

पल में रेत कर देंगे

बुलंद इरादों और हौसलों से।

आसमान में भी छेद कर देंगे

*****

पंख भी है उड़ान भी है

हौसलों में जान भी है

इन फड़कती भुजाओं में

आसमां छूने का अरमान भी है।

मंच संचालन : ताली शायरी

तालियों से उत्सव में शमां बंध जाता है और कार्यक्रम में जान आ जाती हैं इसलिए दर्शकों को ताली बजाने के लिए उत्साहित करना चाहिए

ना धन से ना

खूबसूरती की लाली से

मैं खुश होता हूं बस

आपकी जोरदार ताली से।

*****

वह खजाना क्या जिसकी ताली ना हो

वह गुलशन क्या जिसमें माली ना हो

और वह annual function क्या

जिसमें आप कद्रदानों की ताली ना हो।

इस प्रस्तुति पर जोरदार तालियां। आपकी तालियां ही इन विद्यार्थियों की performance के लिए सच्चा पुरस्कार हैं इसलिए जोरदार तालियां बजाकर इनका उत्साहवर्धन करते रहें।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान
कार्यक्रम के मध्य में ही विद्यालय/महाविद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड आदि पारितोषिक प्रदान करें। इससे सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए तैयार होने वाले विद्यार्थियों को समय भी मिल जाएगा

सभी विद्यार्थियों के नाम बोलकर उन्हें मंच पर बुलाया जाए, उनकी उपलब्धि गिनाई जाए और मुख्य अतिथि या विशिष्ट अतिथि के हाथों से सम्मान दिया जाए

जैसे:-

यह हमारे विद्यालय के वह होनहार छात्र हैं जिन्होंने खेलकूद में जिला/राज्य/देश में स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार और समाज का नाम रोशन किया है।

डूबते तो चांद सितारे हैं

जो कभी अस्त ना हो

वह हमारे स्कूल के

यह नन्हे मुन्ने प्यारे हैं।

*****

नाज है हमें आपके बुलंद इरादों पर

हजारों शमां कुर्बान है

आप जैसे रोशन चिरागों पर

हालात बदल जाते हैं जमाने के

जिनके इशारों पर

वह कोहिनूर हीरे हैं आप

जिन की चमक है सितारों पर।

*****

annual function programme
भामाशाह एवं दानदाताओं का सम्मान
बहुत सारे दानदाता या भामाशाह जो हमारी संस्था को वित्तीय या अन्य प्रकार से सहयोग करते हैं दान देते हैं उनको मंच पर बुलाकर सम्मानित किया जाए । उनके द्वारा विद्यालय के हित में किए गए कार्यों की प्रशंसा की जाए।

दिल खोलकर दान देना

आपकी फितरत है

आप जैसे दानदाता हमें मिले

यह हमारी कुदरत है।

*****

आपकी नेकियों का कहां तक बखान करें

वह शब्द नहीं जो आप की गरिमा बयान करें

आप तो अपने आप में शहंशाह हैं हुजूर

वह शै हैं आप जिन्हें सब सलाम करें।

हाथों की शोभा दान करने से होती हैं कंकण पहनने से नहीं।

मंदिर में दान करो तो

भगवान खुश होते हैं

अनाथ आश्रम में दान करो तो

अनाथों के नाथ खुश होते हैं

और विद्या मंदिर में दान करो तो

खुद आप भी खुश होते हैं।

*****

खुद की आरज़ू के दामन भरने के लिए

सब कर्म पथ पर चलते हैं

पर आप वह दीपक हैं जो

औरों की खातिर जलते हैं।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का संबोधन
अब मैं हमारी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान........... से निवेदन करूंगा कि वह मंच पर आकर सभी श्रोताओं विद्यार्थियों को प्रेरणादायक शब्द कहें

मुख्य अतिथि के संबोधन के बाद उनका धन्यवाद करें।

प्रधानाचार्य का उद्बोधन
अब मैं हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य........... से निवेदन करूंगा कि वह उपस्थित जनसमुदाय एवं विद्यार्थियों को अपने प्रेरणादायक संबोधन से सम्मानित करें

प्रधानाचार्य का उद्बोधन.........

गुरुजनों का आभार
प्रेरणा के पुंज हैं आप

कुसुम वन के कुंज हैं आप

जिनके तेज से आलोकित है जग

वह प्रकाश का पुंज हैं आप।

माता पिता संतान के प्रेम में अंधे होते हैं परंतु गुरु की दृष्टि निष्पक्ष होती है इसलिए गुरु ही सच्चा पथ प्रदर्शक हो सकता है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जितनी मेहनत विद्यार्थियों ने की है उतनी ही मेहनत से गुरु जनों ने मार्गदर्शन किया है।

गुरु में है मधुरता

गुरु में है निश्चलता

गुरु का आशीर्वाद हो

पक्की हो हर सफलता।

कार्यक्रम का समापन
अंत में, कार्यक्रम में उपस्थित सभी जन समुदाय का आभार व्यक्त करें और कार्यक्रम का समापन करें।

तो इस प्रकार प्रभावी मंच संचालन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिए यह शेर शायरी annual function या किसी भी तरह के मंच संचालन में प्रस्तुत करके कार्यक्रम को प्रभावी बनाया जा सकता है। दोस्तों यह शायरी मौलिक हैं. इन्हें आप शेयर कर सकते हैं मंच पर बोल सकते हैं।

अगर आपने वार्षिक उत्सव के बारे में पूरी तैयारी कर ली है तो इसका एक प्रतिवेदन तैयार करना होगा इसके लिए भी हमने एक पोस्ट लिखी हैं आप इससे सहायता ले सकते हैं

अगर आपको यह पोस्ट पसंद आई हो तो कृपया इसे अपने साथियों मित्रों या अपने शिक्षा संबंधी व्हाट्सएप ग्रुप में अवश्य शेयर जरूर करें।

विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियां रिपोर्ट और आयोजन